चेहरे

इन चेहरों को देखो। फिर आगे पढ़ो।

किसके जैसे चेहरे ?

अच्छा बताओ, तुम ज़्यादातर किस चेहरे जैसी दिखती हो? या दिखते हो?

तुम्हारी सहेली या दोस्त किस चेहरे जैसे दिखते हैं? चाहो तो चेहरों के सामने उनके नाम लिखो।

जब तुम्हें गुस्सा आता है तो तुम कैसे दिखते होगे? ऊपर से सही चित्र छाँट कर उसे पूरा करो।

क्या ऊपर के चेहरों में गुरूजी या बहनजी का चेहरा भी है? उसे भी छाँट कर पूरा करो।

- चर्चा करो -- तुम्हें किन बातों पर गुस्सा आता है?
- और गुरूजी या बहनजी को किन बातों पर गुस्सा आता है?

डोकरी माँ

डोकरी माँ डोकरी माँ, डोकरी माँ – का करे है?
बेटा, मैं तो सुई ढूँढू हूँ।

डोकरी माँ, सुई को का करेगी?
बेटा, थैली सिऊँगी।

माँ, थैली को का करेगी?
बेटी, रूपये रखूँगी।

माँ, तू रुपये को का करेगी?
बेटी, एक भैंस खरीदूँगी।

माँ, भैस को का करेगी?
बेटी, दूध लगाऊँगी।

माँ, दूध को का करेगी
बेटी दही जमाऊँगी।

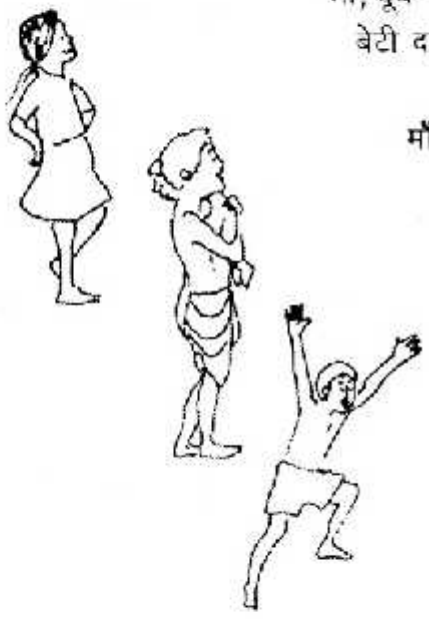

माँ, दही को का करेगी?
बेटा, मक्खन निकालूँगी।

माँ, मक्खन को का करेगी?
बेटा, घी बनाऊँगी।

माँ, घी को का करेगी?
हम सब मिलकर खायेंगे।

तब तो बड़ा मज़ा आयेगा!
हा, हा, हा!

1. डोकरी माँ सुई क्यों ढूँढ रही थी?

2. डोकरी माँ भैंस क्यों खरीदना चाहती थी?

3. डोकरी माँ रुपये किसमें रखेगी?

4. दूध का क्या-क्या बनता है?

खाली जगह भरो

डोकरी माँ थैली -------- ।
(जमायेगी/सियेगी/खायेगी)

डोकरी माँ घी -------- खायेगी।
(अकेले/बांटकर/छिपकर)

डोकरी माँ रुपये से -------- खरीदेगी।
(बीज, भैंस, ठेला, मोटर)

कविता के अनुसार सही क्रम में जोड़ो

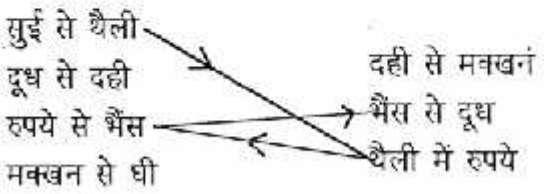

कविता में <u>माँ</u> शब्द जहाँ भी आया है, उसके नीचे लाईन खींचो।

गा	गी
सिऊँगा	सिऊँगी
रखूँगा	--------
लगाऊँगा	--------
------	निकालूँगी
------	बनाऊँगी
खाएगा	------

अगर तुम्हें रुपये मिलें तो तुम क्या करोगे? जो करोगे उसका चित्र नीचे बनाओ।

दिनांक

शरीर नापो

बित्ता, अंगुल, हाथ और **कदम** से हमने कई चीज़ें नापीं – जैसे मेज़, तख़्ता, कमरे की लम्बाई।

• अपने बित्ते से अपने पैर का तलुआ नापो।
मेरा दावा है कि बित्ता और तलुआ दोनों के नाप बराबार होंगे।
तलुए को अगुल से नापो। कितने अंगुल लम्बा है तुम्हारा तलुआ?

• बित्ते से अपने पैर को एड़ी से घुटने तक नापो।
मेरा दावा है कि ये लम्बाई पांच बित्ते होगी।

• बीच में उंगली से कोहनी तक अपना हाथ बित्ते से नापो।
मेरा दावा है कि ये लम्बाई
बित्ते ही होगी।

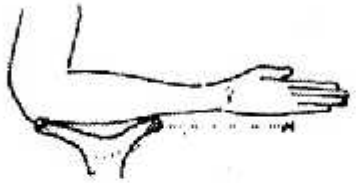

• कलाई से कंधे तक तुम्हारा हाथ कितने बित्ते लम्बा है?

तालिका भरो –

क्या	कितने बित्ता लम्बा	मेरे कौन-कौन से दावे सही निकले?
पैर का तलुआ पैर – एड़ी से घुटने तक हाथ -- कोहनी तक हाथ -- कंधे तक		

नीचे की सूची को देखो। इनमें से क्या-क्या एक बित्ते से कम है? उन पर गोला लगाओ। और क्या-क्या दो बित्ते से ज़्यादा है? उन पर सही का निशान लगाओ।

कलाई की गोलाई, नाक की लम्बाई, कमर की गोलाई, छाती की गोलाई

तुमने ये कैसे पता किया?

संख्या काटो

अपनी पट्टी या कॉपी पर एक जाली बनाओ। चार खाने आड़े में और चार खाने खड़े में। हर खाने में एक संख्या लिख लो। संख्या 0 से 100 के बीच की होनी चाहिए। (0 और 100 भी शामिल हैं।) कोई भी संख्या दुबारा नहीं लिखना है।
(एक जाली मैंने उदाहरण के लिए भरी है।)

4	20	34	17
12	5	61	44
45	71	84	40
33	65	10	99

सबने जब अपनी-अपनी जाली बना ली तब गुरुजी या कोई विद्यार्थी संख्याएँ बोलेगा।
उसके पास 0 से 100 तक की पूरी संख्याएँ लिखी होगी।
जैसे-जैसे वह संख्या बोलेगा, वह अपने चार्ट पर संख्या काट लेगा।
बाकी सब को भी अपनी-अपनी जाली में से संख्याएँ काटनी हैं।

जैसे अगर गुरुजी ने बोला 'सत्तर' तो जिनकी जाली में '70' होगा वे सब उसे काट लेंगे। जिनकी सब संख्याएँ पहले कट जाएँगी, वह पहला नम्बर आएगा। यदि उसने कोई भी गलत संख्या काटी है तो वह आऊट हो जाएगा। (गुरुजी को अपने चार्ट से वे संख्याएँ देखनी हैं जो उन्होंने बोल दी हैं।)
जैसे अगर गुरुजी बोला 'बत्तीस' और किसी ने '23' काट दिया तो वह आऊट हो जाएगा।
एक-दो पाली एक-एक संख्या बोल कर खेली जा सकती हैं। एक संख्या बोलने के लिए-ऐसे भी बोल सकते है नौ दहाई और आठ इकाई। बताओ कौन-सी संख्या कटेगी?

दूसरा खेल

पहले खेल की तरह एक जाली बना लो और उसमें पहले की तरह 0 से 100 के बीच की (संख्याएँ) भर लो।
इस खेल में एक-एक संख्या बोलने के बजाए इस तरह से निर्देश देंगे-

इस जाली में संख्या भरकर लेलो

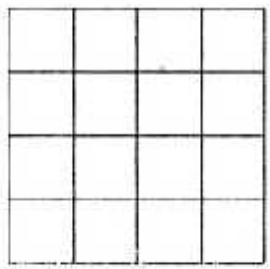

-एक अंक वाली सभी संख्याएँ काट दो
-इकाई में 5 हो, ऐसी संख्याएँ काट दो।
-दहाई में 2 हो, ऐसी संख्याएँ काट दो।
इन निर्देशों के से कौन-सी संख्याएँ कटेंगी? ऐसे और निर्देश सोचो और खेलो।

पहले खेल की तरह वह पहला नम्बर आएगा जिसकी जाली की सब संख्याएँ पहले कटेंगी। पर खेल तब तक जारी रहेगा जब तक सब संख्याएँ कट जाएँ।

नई पुरानी, साइकिल रानी

अज्जू ने देखी दादाजी की पुरानी साइकिल। उसने कहा – दादाजी, आपकी साइकिल तो बहुत पुरानी हो गई है। इतनी पुरानी हो गई है कि इसमें से कई चीज़ें गायब हो गई हैं।

फिर अज्जू ने उस साइकिल का चित्र बनाया। बताओ इस साइकिल में क्या-क्या गायब हो गया है? उसे चित्र में जोड़ो।

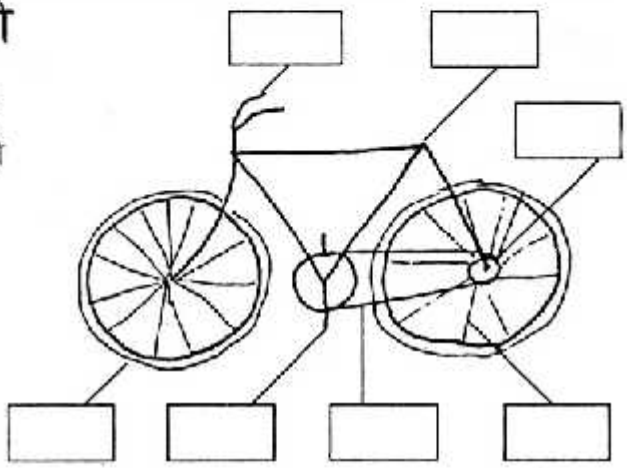

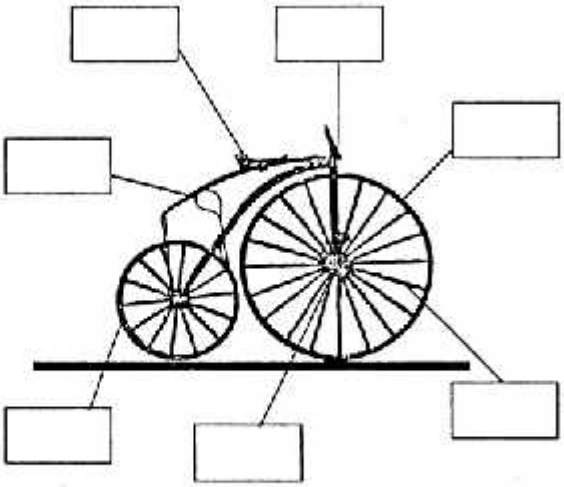

अज्जू ने कहा – दादाजी, आपकी साइकिल दुनिया की सबसे पुरानी साइकिल है न? दादाजी – अरे नहीं अज्जू, साइकिलें तो बहुत पहले से बनती चली आ रहीं हैं। देखो, आज से एक सौ पच्चीस साल पहले ऐसी होती थी साइकिल।

- क्या तुम इस साइकिल से हिस्से पहचान सकती हो? हिस्से पहचान कर सही जगह पर लिखो।
- दादाजी की साइकिल के चित्र में भी यही करो।

अज्जू ने पूछा – तो क्या शुरू से ही साइकिल ऐसी बनती थी? दादाजी – नहीं, जब ये पहली बार बनी, तब और भी अलग दिखती थी। आज से डेढ़ सौ साल पहले का ये चित्र देखो।

- एक सौ पच्चीस साल पहले की साइकिल और अब की साइकिल में अंतर और समानता ढूंढो।
- इसी तरह एकदम शुरू की साइकिल और एक सौ पच्चीस साल पहले की साइकिल में अंतर और समानता ढूंढो।